भारतीय क्रिकेट का सबसे बुरा दौर था 2007 विश्व कप : तेंदुलकर

मुंबई 12सितंबर (ए)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने आज कहा कि भारतीय टीम के लिए 2007 का विश्व कप सबसे बुरा दौर था। एक कार्यक्रम में यहां पहुंचे तेंदुलकर ने कहा कि वेस्टइंडीज में 2007 विश्व कप के पहले दौर में टीम के बाहर होने के बाद भारतीय क्रिकेट में कई सकारात्मक बदलाव आए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिकॉर्डों के बादशाह के तौर पर जाने जाने वाले इस खिलाड़ी ने कहा कि मुझे लगता है 2006-07 का सत्र हमारे (टीम) लिये सबसे बुरा था। हम विश्व कप के सुपर 8 दौर के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर सके थे। लेकिन हमने वहां से वापसी की, नए तरह से सोचना शुरू किया और सही दिशा में आगे बढ़ना शुरू किया। राहुल द्रविड के नेतृत्व में उस विश्व कप में भारतीय टीम ग्रुप चरण में श्रीलंका और बांग्लादेश से हार कर बाहर हो गयी थी। तेंदुलकर ने कहा कि विश्व कप के बाद हमें कई बदलाव करने पड़े और एक बार जब हमने यह तय कर लिया कि टीम के तौर पर हमें क्या करना हैं तो हम पूरी शिद्दत के साथ उसे करने के लिय प्रतिबद्ध थे जिसके नतीजे भी आए। शतकों का शतक लगने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि हमें कई बदलाव करने थे। हमें यह नहीं पता था कि वह सही हैं या गलत। यह बदलाव एक दिन में नहीं आया। हमें नतीजों के लिये इंतजार करना पड़ा। मुझे विश्व कप की ट्रॉफी को उठाने के लिए 21 वर्षों का इंतजार करना पड़ा। महेन्द्र सिंह धोनी के नेतृत्व में 2011 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का तेंदुलकर महत्वपूर्ण सदस्य थे।

लक्ष्मण और क्लार्क ने वनडे सीरीज पर किए अलग-अलग दावे

नई दिल्ली 12सितंबर(ए)। भारत और विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया के बीच बहुप्रतीक्षित एकदिवसीय सीरीज के लिए दावों का दौर शुरू हो गया है और पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण का दावा है कि भारत यह सीरीज 4-1 से जीतेगा जबकि पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क का कहना है कि

आस्ट्रेलिया 3-2 से यह सीरीज अपने नाम करेगा। लक्ष्मण और क्लार्क ने मंगलवार को यहां सीरीज को लेकर एक परिचर्चा में यह दावे किये। दोनों दिग्गज खिलाड़ियों ने पांच एकदिवसीय सीरीज के लिए अपने अपने देशों की संभावनाओं को लेकर पक्ष रखे। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज 17 सितंबर से चेन्नई में शुरु हो रही है और इसका प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर होगा। वेरी वेरी स्पेशल के नाम से मशहूर लक्ष्मण ने दावा किया कि कप्तान विराट कोहली की टीम 4-1 से इस सीरीज को अपने नाम करेगी। लक्ष्मण ने कहा कि हम 4-1 से सीरीज जीतेंगे। आस्ट्रेलिया की गेंदबाजी लाइनअप बेहद कमजोर है और उसमें अनुभव की काफी कमी है। आस्ट्रेलिया के पास अच्छे स्पिनर भी नहीं है। लक्ष्मण ने कहा कि भारत की बल्लेबाजी लाइनअप बेहद मजबूत है और इससे पार पाने के लिए आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। लक्ष्मण ने हालांकि साथ ही माना कि मौजूदा आस्ट्रेलियाई टीम को किसी भी हालत में कमजोर नहीं आंका जा सकता और उससे जीतने के लिए भारतीय टीम को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा।

कनाडा की टीम चेक गणराज्य की टीम से अधिक मजबूत - भूपति

नई दिल्ली 12सितंबर(ए)। भारतीय डेविस कप कप्तान महेश भूपति ने कहा कि डेनिस शापोवालोव जैसे उदीयमान खिलाड़ियों से सजी कनाडा की टीम चेक गणराज्य की टीम से भी अधिक मजबूत है जिससे भारत 2015 में प्लेऑफ चरण में हार गया था। भारतीय टीम ने एडमंटन पहुंचने से पहले न्यूयार्क में एक सप्ताह के शिविर में हिस्सा लिया। वह एलीट विश्व ग्रुप में जगह बनाने के लिये चौथी बार प्रयास करेगी। एशिया ओसियाना क्षेत्र में

दबदबा बनाने के बाद भारतीय टीम विश्व ग्रुप प्लेऑफ में 2014 में सिंबिया, 2015 में चेक गणराज्य और 2016 में राफेल नडाल की अगुवाई वाले स्पेन से हार गया था। कनाडा ने शुक्रवार से शुरू होने वाले मुकाबले के लिये यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले विश्व के 51वें नंबर के खिलाड़ी शापोवालोव, वासेक पोसपिसिली (82) के अलावा युगल के मंझे खिलाड़ी डेनियल नेस्टर (युगल रैंकिंग में 43) और ब्रायन इंक्स को टीम में रखा है। भूपति ने एडमंटन ने पीटीआई से कहा, ''कनाडा की टीम बहुत अच्छी है लेकिन निश्चित तौर पर हम इसलिए यहां हैं क्योंकि हमने उनके खिलाफ खेलने का हक हासिल किया। मेरी निजी राय है कि कनाडा की टीम भारत का दौरा करने वाली चेक गणराज्य की टीम से अधिक दमदार है। ''शापोवालोव ने पिछले कुछ सालों में अपने प्रदर्शन से खास छाप छोड़ी है। वह क्वालीफायर के रूप में यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचे। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने मॉट्रियल मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बनायी थी और इस बीच नडाल को भी हराया था। चेक गणराज्य की जो टीम भारत दौरे पर आयी थी उसमें जिसरी वेस्ली (तब विश्व रैंकिंग 40 लेकिन अब 59) और लुकास रोसोल (तब विश्व रैंकिंग 85) उसके मुख्य एकल खिलाड़ी थे।

गवाह है ये रिकॉर्ड

आस्ट्रेलिया पर नहीं चल पाया भारतीय स्पिनरों का जादू

नई दिल्ली 12सितंबर(ए)। पिछली दो टेस्ट श्रृंखलाओं में आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को दिन में तारे दिखाने वाले भारतीय स्पिनर सीमित ओवरों की क्रिकेट में अपने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाये हैं और ऐसे में पूरी संभावना है कि विराट कोहली 17 सितंबर से शुरू होने वाले पांच मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला में मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरने को तवज्जो दें। आस्ट्रेलिया ने पिछले चार वर्षों में भारतीय सरजमीं पर दो टेस्ट श्रृंखलाएं खेली लेकिन आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और बायें हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा के सामने उसके बल्लेबाज नाकाम रहे और भारत ने ये दोनों श्रृंखलाएं आसानी से जीती।

अश्विन ने इस बीच आठ मैचों में 50 और जडेजा ने इतने ही मैचों में 49 विकेट लिये। इन दोनों से पहले हरभजन सिंह (14 मैचों में 86 विकेट) और अनिल कुंबले (दस मैचों में 62 विकेट) भी अपनी धरती पर आस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ खासे सफल रहे हैं। लेकिन एकदिवसीय मैचों में एकदम से कहानी बदलती रही। यही वजह है कि 2013 में अश्विन और जडेजा की मौजूदगी के बावजूद भारत सात मैचों की श्रृंखला बमुश्किल 3-2 से जीत पाया था। टेस्ट मैचों में कहर बरपाने वाले अश्विन ने उस श्रृंखला के छह

मैचों में 37.22 की औसत से नौ और जडेजा ने इतने ही मैचों में 41.87 की औसत से आठ विकेट लिये थे। लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने भी तब एक मैच खेला था जिसमें उन्होंने दस ओवर में 78 रन लुटाये थे और उन्हें सफलता नहीं मिली थी। इससे पहले हरभजन (22 मैचों में 54.94 की औसत से 18 विकेट) और कुंबले (नौ मैचों में 13 विकेट) भी एकदिवसीय मैचों में आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को टेस्ट मैचों की तरह परेशान नहीं कर पाये थे। इसके उलट तेज गेंदबाज ज्यादा प्रभावी रहे। इन दोनों टीमों के बीच भारतीय सरजमीं पर खेली गयी पिछली श्रृंखला में ही आर विनयकुमार, मोहम्मद शमी, भुवनेश्वर कुमार और इशांत शर्मा ने मिलकर 19 विकेट लिये थे। शायद यही वजह है कि भारतीय टीम प्रबंधन ने आगामी श्रृंखला के पहले तीन वनडे के लिये अपना तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत रखा है।

इस तरह वनडे में भी नंबर 1 बन सकती है टीम

नई दिल्ली 12सितंबर(ए)। श्रीलंका में अपनी जीत के झंडे गाड़ने के बाद भारतीय टीम अब अपने ही देश में ऑस्ट्रेलिया टीम से भिड़ेगी। जल्द ही दोनों टीमों में कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। दोनों टीमों का लक्ष्य सिर्फ सीरीज जीतना ही नहीं बल्कि वनडे क्रिकेट की नंबर 1 रैंकिंग को तक पहुंचना भी है। इस दोनों टीमों के पास वनडे क्रिकेट की नंबर 1 रैंकिंग में पहुंचने का खास मौका है। जी हां, बड़े अंतर 4-1 से सीरीज में जीत दोनों ही टीमों को नंबर 1 के पायदान तक पहुंचा सकती है फिलहाल दक्षिण अफ्रीका 119 अंकों के साथ नंबर 1 पर बना हुआ है। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही टीमों के 117 अंक हैं। डेसिमल पॉइंट्स में अंक निकालने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से आगे निकलती है। ऑस्ट्रेलिया टीम को टीम इंडिया के खिलाफ इस दौरे में 5 वनडे और 3 टी20 मैच खेलने हैं।

पहले 3 वनडे के लिए टीम इंडिया: विराट कोहली(कप्तान), रोहित शर्मा, शिखर धवन, एमएस धोनी, मनीष पांडे, केदार जाधव, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह, उमेश यादव, मोहम्मद शमी, अजिंक्ये रहाणे, कुलदीप यादव।

टीम में धोनी के होने और युवी की वापसी के बारे में रवि शास्त्री ने दिया ये बयान

नई दिल्ली 12सितंबर (ए)। श्रीलंका में टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन को देखकर कोच रवि शास्त्री बेहद खुश हैं और उन्होंने इनकी जमकर तारीफ भी की है। एक वेबसाइट पर इटरव्यू के दौरान इन्होंने महेंद्र सिंह

धोनी के टीम में रहने और युवराज सिंह की वापसी पर कई बयान दिए। रवि शास्त्री ने कहा कि 36 साल के धोनी को शास्त्री अभी भी फिट है। फिलहाल टीम में सबसे बेहतर हैं। बल्लेबाज के तौर पर धोनी में अब भी काफी कुछ बचा हुआ है। श्रीलंका में उनका हालिया प्रदर्शन, तो महज ट्रेलर था। युवराज सिंह की वापसी के सवाल पर उन्होंने कहा कि वनडे टीम में स्थान बनाने के लिए फिटनेस के मानदंड तय कर दिए गए हैं। जो भी खिलाड़ी इस पर फिट बैठेगा, वह टीम में स्थान बना सकता है। इसके अलावा उन्होंने विराट की कप्तानी को लेकर कहा कि विराट श्रीलंका दौरे के दौरान काफी मजबूत होकर उभरे हैं। कप्तान के तौर पर उनका शानदार प्रदर्शन उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है। उनके लिए शॉर्ट कट कोई मायने नहीं रखता। विराट और धोनी में बेहतर तालमेल है, वे एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

एफसी पुणे सिटी ने अर्जेंटीना के रार्बिटनो से अनुबंध किया

पुणे (ए)। एफसी पुणे सिटी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सत्र में अपनी मध्यपंक्ति को मजबूत करने के लिये अर्जेंटीना के रार्बिटनो पुगलियरा के साथ अनुबंध किया है। एफसी पुणे सिटी की विज्ञप्ति के अनुसार रार्बिटनो पहली बार आईएसएल में खेलेंगे। वह एफसी पुणे सिटी से जुड़ने वाले दक्षिण अमेरिकी देशों के पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले एमिलियानो अल्फारो, मार्सेलिन्हो, डियगो कार्लोस और जोनाथन लुका भी टीम से जुड़ चुके हैं।

महान फुटबालर पीके बनर्जी ने कहा-

17 के खिलाड़ी देश का भविष्य

कोलकाता 12सितंबर(ए)। महान फुटबालर पीके बनर्जी ने आज कहा कि भारत को फीफा अंडर-17 विश्व कप का इस्तेमाल देश में फुटबाल के भविष्य को संवारने के लिए करना चाहिए और साथ ही खिलाड़ियों से भी आग्रह किया कि वे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से टीम को अगले स्तर तक ले जाएं। बनर्जी ने दिए

साक्षात्कार में देश के लोगों से इस बड़े टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का साथ देने की अपील की। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बारे में कहा कि मुझे नही पता कि वे कैसा खेलते हैं। मुझे यह पता है कि ये खिलाड़ी देश के भविष्य हैं और हमें उनका साथ देना होगा। फीफा से 20वीं सदी के सर्वश्रेष्ठ भारतीय फुटबालर का खिताब पाने वाले बनर्जी ने कहा कि खिलाड़ियों के पूल बढ़ाने की जरूरत है। ज्यादा से ज्यादा अंडर-17 और अंडर-19 खिलाड़ियों को लेने की जरूरत है क्योंकि इससे फुटबाल में देश का भविष्य सुनिश्चित होगा। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के साथ बड़े टूर्नामेंटों के लिए भविष्य की टीम तैयार करने के लिये जुड़े 80 साल के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि खिलाड़ियों के इस समूह को साथ देने की जरूरत है ताकि हम अंडर-19 स्तर पर अच्छा खेल सकें और अंडर-20 विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर सकें। विश्व कप में मजबूत टीमों के ग्रुप में भारत के होने के बाद भी बनर्जी को उम्मीद है कि अंडर-17 विश्व कप में पहली बार हिस्सा ले रही भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि आंकड़े चाहे जो भी कहें। मैं अपने देश से प्यार करता हूं और यही समय है जब विश्व कप में हम अपनी टीम की हौसलाअफजाई करें। हम सबके लिए यह गर्व की बात। विश्व कप में भारतीय टीम अपने सफर की शुरुआत 6 अक्टूबर को नई दिल्ली में अमेरिकी के खिलाफ करेगी। इसके बाद भारतीय टीम नौ अक्टूबर को कोलंबिया और 12 अक्टूबर को घाना के खिलाफ मैदान में उतरेगी। अपने 13 साल के करियर में 84 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले बनर्जी ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों के लिए वह समय आ गया है जब वे अपना सब कुछ इस विश्व कप में झोंक दे। हमारे समय में ऐसा मौका नहीं मिला था।

आपको भारत को अगले स्तर पर ले जाना होगा। मेलबर्न (1956) और रोम ओलंपिक (1960) में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्व कप में जर्मनी उनकी चहेती टीम है। बनर्जी ने कहा कि हर टीम को जर्मनी से सतर्क रहना होगा। चाहे वह जूनियर स्तर की हो या सीनियर स्तर की, उनकी टीम कुशलता से भरी होती है। आप उन्हें हल्के में नहीं ले सकते हैं।

पृष्ठ 1 का शेष ....

21 जिलों की...

बैठक में आज सर्वप्रथम प्रदेश में इस बार अल्पवर्षा से प्रभावित तहसीलों की जिला कलेक्टरों द्वारा खरीफ फसल 2017 के बारे में पेश की गई रिपोर्ट पर निर्णय लेते हुए राज्य के 21 जिलों की 96 तहसीलों को सूखा ग्रस्त घोषित करने का निर्णय। साथ ही सूखा प्रभावित क्षेत्रों में रोजगारमूलक राहत कार्य जल्द शुरू किए जाने का भी निर्णय लिया गया। इसके लिए मनरेगा के तहत नाला बंधान कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं, वहीं सिंचाई नलकूपों को बाधारहित बिजली देने के लिए ऊर्जा विभाग को भी निर्देशित किया गया है।

किसानों के साथ सूखा प्रभावित तहसीलों के मजदूर किसानों को राहत देने के लिए प्रत्येक परिवार को मनरेगा के तहत 100 दिन के बजाय 200 दिन का रोजगार दिलाने का प्रस्ताव भी भारत सरकार को भेजे जाने का निर्णय बैठक में लिया गया है।

बैठक के प्रारंभ में मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ के किसानों को धान का बोनस देने की सहमति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया।

ये निर्णय भी...

❖ खरीफवर्ष 2016-17 में सहकारी समितियों में खरीदे गए धान पर किसानों को 300 रूपए प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए कृषि विभाग ने विस्तृत दिशा-निर्देशों का प्रारूप तैयार किया है, जिसका अनुमोदन आज केबिनेट की बैठक में किया गया। प्रदेश के समस्त भू-स्वामी कृषक, जिनसे खरीफ2016-17 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर राज्य शासन द्वारा धान उपार्जित किया गया था, वे इसके पात्र होंगे। खरीफ वर्ष 2016-17 में छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के माध्यम से धान बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा। प्रोत्साहन राशि वितरण योजना का क्रियान्वयन खाद्य विभाग द्वारा राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) के माध्यम से किया जाएगा। किसानों को पात्रता के अनुसार धान प्रोत्साहन राशि (बोनस) का भुगतान दीपावली 2017 के पहले सीधे उनके बैंक खाते में किया जाएगा।

❖ भारत सरकार के खाद्य विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2017-18 में औसत अच्छी किस्म (एफएक्यू) के धान और मक्का के लिए समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। समर्थन मूल्य धान कामन के लिए 1550 रूपए, धान ए-ग्रेड के लिए 1590 रूपए और मक्का के लिए 1425 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित है। इन दरों पर छत्तीसगढ़ की सहकारी समितियों के उपार्जन केन्द्रों में किसानों से धान की नगद और लिकिंग में खरीदी 15 नवम्बर 2017 से 31 जनवरी 2018 तक की जाएगी। मक्के की खरीदी 15 नवम्बर 2017 से 31 मई 2018 तक की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश खाद्य विभाग पृथक से जारी किया जाएगा।

❖ बैठक में द्वितीय अनुपूरक अनुमान वर्ष 2017-18 का अनुमोदन किया गया।

❖ छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी (संशोधन विधेयक 2017) के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

मोदी सरकार की...

कृषि क्षेत्र संकट में है और देश भर में किसानों की आत्महत्याओं की घटनाएँ तेजी से बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि देश की ज्ञानवान संस्थाओं की उपेक्षा करके फैसले लेना गैर-जिम्मेदाराना और खतरनाक है ।

कांग्रेस उपाध्यक्ष ने कहा कि हर वर्ष तकरीबन एक करोड़ 20 लाख बेरोजगार युवक रोजगार की तलाश के लिए बाजार में पहुंच रहे हैं जिनमें से करीब 90 प्रतिशत हाई स्कूल या उससे भी कम शिक्षा प्राप्त हैं जबकि सरकार प्रतिदिन मात्र 500 रोजगार के अवसर पैदा कर पा रही है। अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त होने से देश में गुस्सा बढ़ रहा है।

रोजगार सृजन को सबसे बड़ी चुनौती करार देते हुए कांग्रेस उपाध्यक्ष ने कहा कि यदि लाखों बेरोजगार युवकों को काम नहीं दिया गया तो गुस्सा और बढ़ेगा। इससे अब तक जो भी हासिल किया गया है उसके पटरी से उतरने की आशंका है। उन्होंने कहा कि यह भारत के साथ-साथ दुनिया के लिए बडा संकट साबित होगा।

अहंकारी हो गयी थी...

कांग्रेस की स्थिति खराब होने के कारणों से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा ,'वर्ष 2012 के आसपास पार्टी में अंहकार आ गया था और हमने जनता के साथ संवाद बंद कर दिया। पार्टी को मजबूत बनाने के लिए एक विजन तैयार करने की जरूरत है जिसके आधार पर आगे बढा जा सके।

भाजपा की सोशल मीडिया इकाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कम्प्यूटर पर बैठी एक हजार लोगों की'मशीन'उनके बारे में उल्टे - सीधे दुष्प्रचार करती रहती है और उन्हें अनिच्छुक राजनेता और बेवकूफ बताती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवाद कुशलता की जहां तारीफ की वहीं कहा कि वह अपने निकट लोगों से साथ तक विचार -विमर्श नहीं करते हैं। श्री गांधी ने कहा कि श्री मोदी की संवाद करने की क्षमता बहुत ही प्रभावी है लेकिन वह लोगों की बात नहीं सुनते हैं। वह जिन लोगों के साथ काम करते हैं ,उनसे विचार -विमर्श नहीं करते हैं। उनका कहना था कि यह जानकारी उन्हें सांसदों और भाजपा के लोगों ने ही दी है ।

जनप्रतिनिधि होते हुए...

इससे पहले सीबीडीटी ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा था कि याचिकाकर्ता की तरफसे आरोप लगाया गया है कि 26 लोकसभा सांसद, 11 राज्य सभा सांसद और 257 विधायकों की संपत्ति में दो चुनावों के बीच बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। सीबीडीटी ने कहा है कि आयकर विभाग ने जांच की तो पाया कि 26 लोकसभा सांसदों में से 7 लोकसभा सांसदों की संपत्ति में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। सीबीडीटी ने कहा है कि ज्ज् डिपार्टमेंट 26 लोकसभा सांसदों में से 7 सांसदों की संपत्ति में बेतहाशा बढ़ोतरी को लेकर आगे की जांच करेगा। उसने कहा है कि 257 विधायकों में से 98 विधायकों की संपत्ति में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है और इस बाबत जांच की जा रही है।

सीबीडीटी ने अपना जवाब लोक प्रहरी नामक संगठन द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर दिया है. याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि कई सांसदों और विधायकों की संपत्ति में भारी वृद्धि हुई है.